।।कहनो मान जा।।

कहनो मान जा सावरियाँ।
इतनो मतना रुसो रे,
कहनो मान जा।।
थारे तो रुसा स सारी, दुनिया बोली मार रे।
बोली मती मरावे र बाबा, मतना रुसो रे।।
थारे तो रुसा स म्हारी, नैया डगमग डोल रे।
नैया पार लगादे र बाबा, मतना रुसो रे।।
थारे तो रुसा स म्हारी, नींदलडी खो जावे रे,
आकर धीर बंधा दे र बाबा, मतना रुसो।।
थारे तो रुसा स, 'खाटू श्याम मण्डल' घबरावे रे।
आकर दर्श दिखा दे र बाबा, मतना रुसो रे।

.

Downloaded from khatunareshshyambaba.in
Website design & developed by syllogisticinoftech.com